NH Debate - 42

घर से भागेंगी नहीं गर बैंडबाजे संग लाओगे, "मोल की" से अगर उसे अनमोल बनाओगे|

औरतों के आत्म-सम्मान व् आदर-मान के रक्षण व् संरक्षण हेतु:

पूर्वी उत्तर प्रदेश यानी पूर्वांचल, बिहार, बंगाल व् सुदूर पूर्वी राज्यों से लाई जाने दुल्हनों पर से "हरियाणा-पंजाब" को "मोल की लाई" हुई का टैग हटाना होगा|

माँ-बाप ने सम्मान दिया नहीं, बेच दिया चाँद पैसों खातिर,

हरियाणा-पंजाब तुम ही संभलो, मानवता की रक्षा खातिर|

पूर्वोत्तर से आई दुल्हनों को मत "मोल की कह के पुकारो"

रीति-रिवाज से ब्याह के लाओ, इनके मान को सहारो||

वो बेटी के बदले पैसे मांगते हैं तो दे दो,

पर ब्याह के ही ले जायेंगे, उनसे यही कहो|

दुबई-हैदराबाद में देह-व्यापार में बेचे जाने से तुम इनको बचाते हो,

तो क्यों अपने घर ला कर भी इनको "मोल की" पुकरवाये जाते हो?

हरियाणा की संस्कृति पर दिल्ली में बैठा पूर्वोत्तर का मीडिया,

छोड़ देगा ताने कसना जो इनको रीति-रिवाज से लगेगी बिंदिया|

हरियाणवी दुल्हन को जो सम्मान है, वो पूर्वोत्तर से आई को भी दें,

ताकि उधर का मीडिया जो बैठा दिल्ली में, वो भी तुमको आशीष दे|

पूर्वोत्तर वाले बेटियां बेचते हैं, लेकिन तुम क्यों खरीदते हो?

सामाजिक रिवाज से ब्याह के लाओ उन्हें, जिनपे रीझते हो|

माँ-बाप ने बेच दी, तुमने वो खरीद ली, यह ब्याह हुआ या हुआ व्यापार?

ना आत्मसम्मान ना आदरमान, क्यों उस बेचारी का जीवन हुआ उजार?

नीति रोकना हाथ नहीं तो संस्कृति बना लो,

हुगली-यमुना के संगम को उत्सव बना लो|

घर से भागेंगी नहीं गर बैंडबाजे संग लाओगे,

"मोल की" से अगर उसे अनमोल बनाओगे|

Phool Kumar Malik

Nidana Heights

Dated: 25/05/14